SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **HINDI**

Programme Code: SBAHIL

T.Y.B.A.

2018 -2019

(Choice Based Credit System with effect from the year **2018-19**)

Programme Outline : TYBA (SEMESTER V)

Course Code	Unit No	**Name of the Unit** **PAPER IV**	Credits
SBAHIL501		**हिंदी साहित्य का इतिहास**	4
	1	हिंदी साहित्य का इतिहास - नामकरण और काल विभाजन की समस्याएँ	
	2	आदिकाल	
	3	भक्तिकाल	
	4	रीतिकाल	
SBAHIL502		**PAPER V**	4
		स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य	
	1	नाटक - आधे अधूरे (मोहन राकेश)	
	2	नाटक - आधे अधूरे (मोहन राकेश)	
	3	रेखाचित्र और संस्मरण- गद्य गरिमा	
	4	रेखाचित्र और संस्मरण - गद्य गरिमा	
Course Code	Unit No	**PAPER VI**	Credits
SBAHIL503		**हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी**	3
	1	सूचना प्रौद्योगिकी	
	2	इन्टरनेट और हिन्दी	
	3	डिजिटलाइजेशन	
	4	सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा क्षेत्र में योगदान	
SBAHIL504		**PAPER VII**	4
		साहित्य समीक्षा : छंद और अलंकार	

	1	समीक्षा	
	2	कला	
	3	काव्य के रूप	
	4	छंद	
Course Code	Unit No	**PAPER VIII**	Credits
SBAHIL505		**भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण**	4
	1	भाषा की परिभाषा	
	2	भाषा विज्ञान	
	3	हिंदी व्याकरण	
	4	शब्द साधन	
SBAHIL506		PAPER IX	3
		आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	
	1	भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव	
	2	गांधीवादी चिंतन का हिंदी कविता और उपन्यास पर प्रभाव	
	3	मार्क्सवाद : हिंदी कविता और हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव	
	4	राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का योगदान	

Programme Outline : TYBA (SEMESTER VI)

Course Code	Unit No	**Name of the Unit** **PAPER IV**	Credits
SBAHIL601		**हिंदी साहित्य का इतिहास**	4
	1	आधुनिक हिंदी कविता का विकास - भारतेन्दु-युग, द्विवेदी-युग ,छायावाद	

	2	प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद ,नई कविता ,समकालीन कविता	
	3	आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास - उपन्यास , कहानी,नाटक	
	4	निबंध ,आलोचना, आत्मकथा	
SBAHIL602		**PAPER V**	4
		स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य	
	1	गीतिकाव्य- परिभाषा, तत्त्व , स्वत्रंत्योत्तर गीतिकाव्य का विकास	
	2	गीत- पुंज	
	3	निबंध- परिभाषा, तत्त्व ,स्वातंत्र्योत्तर हिंदी निबंध साहित्य का विकास	
	4	निबंध- मञ्जूषा	
Course Code	Unit No	**PAPER VI**	Credits
SBAHIL603		**सोशल मीडिया**	3
	1	सोशल मीडिया का स्वरूप - प्रकार और विकास	
	2	सोशल मीडिया के प्रभाव	
	3	सोशल मीडिया और कानून,• सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश, सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं उपलब्धियाँ	
	4	सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रसार - प्रयोग, सोशल मीडिया- समस्याएँ, चुनौतियाँ और सीमाएँ	
SBAHIL604		**PAPER VII**	4
		साहित्य समीक्षा : छंद और अलंकार	
	1	शब्द शक्ति	
	2	रस	

	3	गद्य के विविध रूप	
	4	अलंकार	
Course Code	Unit No	**PAPER VIII**	Credits
SBAHIL605		**भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण**	4
	1	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय	
	2	हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय	
	3	हिंदी का शब्द समूह और देवनागरी लिपि	
	4	हिंदी व्याकरण	
SBAHIL606		**PAPER IX** **आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**	3
	1	मनोविश्लेषणवाद: - सामान्य परिचय ,हिंदी कथा साहित्य पर उसका प्रभाव	
	2	दलित चेतना: हिंदी कविता तथा कथा साहित्य पर प्रभाव	
	3	समकालीन कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श	
	4	स्वातंत्र्योत्तर जन चेतना और हिंदी पत्रकारिता	

प्रास्ताविका Preamble:

कला स्नातक [बी. ए.] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास का व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियाँ एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है | छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद ,विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता

के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| छात्रों में काव्य के प्रति रूचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्य शास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियाँ प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधो के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधो के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि विचारकों का हिंदी साहित्य पर पडा प्रभाव दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किये गये हैं |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, प्रमुख कवियों और रचनाकारों से परिचय करवाना और साथ ही साहित्य की विविध विधाओं के माध्यम से मानवता, नैतिकता और सामाजिक समस्याओं से सजग करना और साथ ही समाज के विभिन्न पहलुओं, सामाजिक संघर्ष, संगीत, कला, राजनीति, धर्म, और साहित्यिक सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत कराना |
PO 2	काव्यशास्त्र के माध्यम से भारतीय काव्य के विभिन्न आयामों जैसे कि रस, अलंकार और छंद का अध्ययन करके काव्य की सुंदरता और भावों की समझ निर्माण करना साथ ही साहित्य के विविध सौंदर्य ,कला एवं वैचारिक मूल्यों की गहराई से छात्रों को जानकारी देना ,ताकि छात्रों में भारतीय काव्य परम्परा एवं काव्य लेखन तत्वों की समझ निर्माण हो सके |
PO 3	पाठ्यक्रम में संकलित भाषा विज्ञान तथा सूचना प्रद्योगिकी के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभाषा हिंदी के स्वरूप की समझ निर्माण करना एवं समकालीन समय में हिंदी का तकनीकों में किस प्रकार प्रयोग किया जाता है उसकी जानकारी देना ताकि छात्र व्यावहरिक जीवन में उसका प्रयोग सफलतापूर्वक कर सकें |

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे प्रेरणादायक कविताएँ और रोचक कथाओं के माध्यम से छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी और वे जीवन में साहित्य के महत्व को समझ कर रचनात्मकता कौशल में विकास करेंगे |

PSO 2	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में सैन्धान्तिक मूल्यों का विकास होगा तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत होने से छात्रों को न केवल शुद्ध भाषा की जानकारी होगी बल्कि तकनीकि क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनायें छात्रों के समक्ष निर्माण होगी ।
PSO 3	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्य परम्परा से अवगत होंगे और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी ।

TYBA SEMESTER V

NAME OF THE COURSE	हिंदी साहित्य का इतिहास (PAPER IV)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL501	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	8वीं सदी से आजतक हिंदी साहित्य के इतिहास का एक विहंगम दृश्य विद्यार्थी के सम्मुख प्रस्तुत करना।
CO 2.	आदिकालीन एवं मध्यकालीन भक्ति एवं रीति कालीन राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन साहित्य की विशेषताओं को उजागर करना।
CO 3.	सिद्ध, नाथ, जैन एवं वीरगाथाओं का परिचय, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य को स्पष्ट करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी साहित्य के इतिहास परंपरा को जानकर कालजयी साहित्य, इतिहासकार एवं साहित्यकारों से विद्यार्थी अवगत होंगे और साहित्य की लेखन परम्परा और उसके विकास को समझ पाएँगे |
CLO 2.	विद्यार्थी साहित्य के इतिहास को समझ कर तथा साहित्य की कालगत पृष्ठभूमि को जानकर विभिन्न कालों के साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों के अंतर को समझ पाएँगे, अतः चित्तवृत्तियों के विकास को समझ पायेगें।
CLO 3	हिंदी साहित्य इतिहास को जानने के पश्चात विद्यार्थी में आत्म-विकास और आत्म-अभिवृद्धि होगी | उनमें विचारों को विस्तारित करने, अनुभवों से सीखने और अपने जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करने की क्षमता निर्माण होगी |

इकाई 1	**नामकरण और काल विभाजन**
1.1	हिंदी साहित्य का इतिहास नामकरण
1.2	काल विभाजन की समस्याएँ
इकाई 2	**आदिकाल**
2..1	आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि
2.2	सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।
इकाई 3	**भक्तिकाल**
3.1	भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
3.2	संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, रामभक्तिकाव्य, कृष्णभक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
इकाई 4	**रीतिकाल**

4.1	रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि।
4.2	रीतिवद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
- हिंदी साहित्य का इतिहास: डॉ. विजयेन्द्र स्नातक

NAME OF THE COURSE	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य	PAPER (V)
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL502	
NUMBER OF CREDITS	4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	इस पत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के बाद के आधुनिक हिंदी साहित्य (गद्य एवं पद्य) का आस्वाद और संस्पर्श देना है।
CO 2.	आधे-अधूरे' जैसे समकालीन चेतना वाले नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नाट्य संस्कार और जीवन यथार्थबोध को समझाना।
CO 3.	रेखाचित्र एवं संस्मरण जैसी विधा का सम्पूर्ण परिचय भक्तिन, रजिया, कमला, ऋषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन आदि कृतियों के माध्यम से कराना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	इस पत्र में हिंदी नाटक और गद्य की अन्य विधा जैसे संस्मरण और रेखाचित्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक रचनाकार से परिचित होंगे और रचनात्मक कार्य के प्रति उनमें रुचि निर्माण होगी।
CLO 2.	आधे अधूरे में चित्रित पारिवारिक विघटन और सामाजिक बदलावों को विद्यार्थी न केवल समझेंगे बल्कि इनके मूल में निहित अस्तित्वपरक, आर्थिक, मानवीय स्थितिगत कारणों पर भी विचार करने में सक्षम होंगे
CLO 2.	रेखाचित्र -संस्मरणों को एवं नाटक को पढने के बाद विद्यार्थी मनुष्य मन की जटिलता, आन्तरिक संसार और दूसरे के मन पर उसके प्रतिबिम्ब को समझ कर अपने अन्दर बेहतर तरीके से साहित्यिक समझ निर्माण कर पाएँगे।

इकाई 1	**हिंदी नाटक आधे-अधूरे – मोहन राकेश**
1.1	हिंदी नाटक का परिचय : अर्थ और स्वरूप
1.2	हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
इकाई 2	**आधे अधूरे नाटक - मोहन राकेश**

2.1	आधे अधूरे नाटक का परिचय
2.2	आधे अधूरे नाटक : तत्वों के आधार पर समीक्षा
इकाई 3	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य : रेखाचित्र और संस्मरण**
3.1	भक्तिन - महादेवी वर्मा
3.2	रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी
3.3	तुम्हारी स्मृति - ,माखनलाल चतुर्वेदी
3.4	ये हैं प्रोफ़ेसर शंशाक - विष्णुकांत शास्त्री
इकाई 4	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य : रेखाचित्र और संस्मरण**
4.1	स्मरण का स्मृतिकार - अज्ञेय
4.2	कमला - पद्मा सचदेव
4.3	हृषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन -मनोहरश्याम जोशी
4.4	मेरा हमदम मेरा दोस्त कमलेश्वर - राजेंद्र यादव

संदर्भ -

- आधे अधूरे नाटक - मोहन राकेश
- नाटक का उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
- भारतीय एवं पाश्चत्य नाटक - सीताराम चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास - बच्चन सिंह
- गद्य गरिमा - संपादक - हिंदी अध्ययन मंडल - मुंबई विश्वविद्यालय

NAME OF THE COURSE	हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी (PAPER VI)
CLASS	TYBA

COURSE CODE	SBAHIL503	
NUMBER OF CREDITS	Credit-3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थी को सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अधुनातन विषय के अंतर्गत हिंदी में कम्प्यूटर पर कामकाज में सक्षम बनाना।
CO 2.	गूगल अनुवाद, अंतर्जाल और हिंदी के परिचय के अलावा रोज़गार एवम् संचार माध्यमों की दिशाओं का परिचय देना।
CO 3.	सूचना प्रौद्योगिकी के अध्ययन से विद्यार्थियों को आईटी कौशलों में सुदृढ़ बनाना और उन्हें इंटरनेट, ईमेल, हिंदी के वेबसाइट, आदि से परिचित करना ताकि वे आगे चलकर उसका व्यापारिक और व्यक्तिगत जीवन में उपयोग कर सके |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	सूचना प्रोद्योगिकी पेपर के अध्ययन से विद्यार्थी तकनीकि के विविध आयामों का जीवन में व्यवहारिक और सैद्धांतिक रूप से उपयोग करेंगे |
CLO 2.	सूचना प्रोद्योगिकी के उपयोग से विद्यार्थी नए नवाचारिक और अभिनव विकल्पों के विकास में सक्षम होंगे, उनके करियर और जीवन में नई संभावनाओं के अवसर प्राप्त होंगे साथ ही कम्प्यूटर में कामकाज का संज्ञान प्राप्त करेंगे |

CLO 3	संचार माध्यमों से उनके सम्मुख हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर शिक्षा, बाजार, अभिव्यक्ति, मनोरंजन के क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएँ उजागर होंगी।

इकाई 1	**सूचना प्रौद्योगिकी**
1.1	सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
1.2	कम्प्यूटर पर हिन्दी में कामकाज का परिचय (हिन्दी फॉन्ट, कम्प्यूटर पर आधारित हिन्दी के सॉफ्टवेयर्स)
1.3	गूगल अनुवाद उपयोगिता, समस्याएँ।
इकाई 2	**इन्टरनेट और हिन्दी**
2.1	इन्टरनेट और हिन्दी (हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, नेट पर हिन्दी समाचार चैनल, हिन्दी साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ, गैर-साहित्यिक हिन्दी वेबसाइटें)
2.2	संचार माध्यम और रोज़गार की संभावनाएँ
2.3	सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि का वैश्विक प्रसार और प्रयोग।
इकाई 3	**सूचना प्रौद्योगिकी समस्याएँ**
3.1	भारत में डिजिटलाइजेशन का विकास, कठिनाइयाँ और उपयोगिता
3.2	सूचना प्रौद्योगिकी की जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक भूमिका।
3.3	सूचना प्रौद्योगिकी समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ।

इकाई 4	**सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व**
4.1	सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान
4.2	सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व
4.3	सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकता और उपयोगिता

NAME OF THE COURSE	साहित्य- समीक्षा, छंद एवं अलंकार	PAPER (VII)
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL504	
NUMBER OF CREDITS	4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD TOTAL MARKS PASSING MARKS	INTERNAL ASSESSMENT 25 10	SEMESTER END EXAMINATION 75 30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	साहित्य समीक्षा छंद एवं अलंकार पत्र द्वारा भारतीय काव्यशास्त्र की मूल संकल्पनाओं काव्य, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन से विद्यार्थियों को परिचित करना।
CO 2.	भारतीय काव्य शास्त्र महाकाव्य ,खंडकाव्य , गीतकाव्य तथा गजल एवं मुक्तक आदि का संज्ञान करना।

CO 3.	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र से तथा भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों और आचार्यों के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	भारतीय काव्य - शास्त्र के माध्यम से छात्र संस्कृत, पाश्चात्य एवं हिंदी - विद्वानों द्वारा माने गये काव्य लक्षणों से परिचित होंगे | काव्य के नियम की जानकारी प्राप्त करेंगे |
CLO 2.	काव्य के प्रयोजन एवं हेतु जानकर काव्य का आनंद एवं उसे समझने की क्षमता का उनमें निर्माण होगी |
CLO 3	काव्य के तत्व, उसके भाव एवं कला पक्ष को समझकर काव्य के विभिन्न प्रकार जैसे महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य आदि के लेखन -नियम से परिचित होकर कुछ रचनात्मक कार्य करने की ओर अग्रेसर होगें |

इकाई 1	**साहित्य-समीक्षा**
1.1	साहित्य की परिभाषा और स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य)
1.2	साहित्य के तत्त्व
1.3	साहित्य के हेतु
1.4	साहित्य के प्रयोजन
इकाई 2	**कला**
2.1	परिभाषा और वर्गीकरण
2.2	कला और साहित्य का संबंध
इकाई 3	**काव्य के रूप**
3.1	महाकाव्य : भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय
3.2	खंडकाव्य स्वरूप और विशेषताएँ

3.3	मुक्तक काव्य स्वरूप और विशेषताएँ
3.4	गीत: स्वरूप और विशेषताएँ
3.5	ग़ज़ल का सामान्य परिचय
इकाई 4	**छंद**
4.1	सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण मात्रिक छंद: i) चौपाई, ii) रोला, iii) दोहा, iv) बरवै,
4.2	v) हरिगीतिका, vi) गीतिका, vii) छप्पय, viii) कुंडलिया
4.3	वर्णिक छंद: i) इन्द्रवज्रा, ii) शार्दुलविक्रीडित,
4.4	iii) भुजंगप्रयात, iv) द्रुतविलंबित, v) मालिनी, vi) मंदाकान्ता, vii) सवैया, viii) कवित्त

संदर्भ

- काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय
- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र
- सिद्धांत के अध्ययन - बाबू गुलाबराय
- काव्यशास्त्र - भागीरथी मिश्र
- काव्य प्रदीप - श्री राम बहोरी शुक्ल
- छंद प्रकाश - रघुनन्दन शास्त्री

NAME OF THE COURSE	भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण (PAPER VIII)
CLASS	TYBA
COURSE CODE	SBAHIL505
NUMBER OF CREDITS	Credit-4

NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	भाषा -विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थियों को भाषा के गठन, संरचना और विकास की जानकारी देना और उन्हें अपनी राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा तथा मानक भाषा के तत्वों और उसके महत्वों से अवगत कराना |
CO 2.	भाषा की विविध शाखाओं जैसे शब्द, रूप, पद, ध्वनि तथा वाक्य रचना का परिचय देना जिससे विद्यार्थी उच्चारण में शुद्धता तथा भाषायी रूपरेखा, उसके उपयोग एवं समाजिक संपर्क करने में सक्षम हो सके |
CO 3.	हिंदी व्याकरण के माध्यम से हिंदी भाषा लेखन में शुद्धता निर्माण करना और हिंदी भाषा के प्रति रूचि निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी विश्व की अनेक भाषाओँ का तुलनात्मक अध्ययन समझ सकेंगे। वे विभिन्न भाषाओं के बीच संवाद को सुगम और सहज बनाने में सक्षम होंगे |
CLO 2.	भाषा विज्ञान का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को भाषा संबंधी विविध क्षेत्रों जैसे कि संपादनकर्ता, प्रसंस्करण अधिकारी, भाषा अधिकारीआदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
CLO 3	हिंदी व्याकरण का अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषायी रचनात्मकता कौशल निर्माण होगा | हिंदी भाषा और संस्कृति की उनमें समझ निर्माण होगी |

इकाई 1	**भाषा**
1.1	भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषताएँ
1.2	भाषा के विविध रूप (बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा)
1.3	भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण
इकाई 2	**भाषा विज्ञान**
2.1	भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता
2.2	भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ सामान्य परिचय (वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, शब्द विज्ञान, ध्वनि विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान)
इकाई 3	**हिंदी व्याकरण**
3.1	वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण
3.2	कारक के भेद और एवं उसकी विभक्तियाँ
इकाई 4	**शब्द साधन (रूपांतर)**
4.1	संज्ञा, सर्वनाम
4.2	विशेषण, क्रिया

संदर्भ

- भाषा विज्ञान -भोलानाथ तिवारी
- हिंदी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

- हिंदी ध्वनियों का विकास - भोलानाथ तिवारी
- हिंदी व्याकरण -कामता प्रसाद गुरु
- हिंदी भाषा की भूमिका - डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

NAME OF THE COURSE	आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि (PAPER IX)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL506	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	इस पाठ्यक्रम भारतीय नवजागरण आन्दोलन के माध्यम से आर्य समाज, प्रार्थना समाज, सत्य शोधक समाज इत्यादि की समाज सुधार में क्या भूमिका रही है, उससे अवगत करना और समाज के प्रति नैतिक मूल्यों का विकास करना |
CO 2.	इस पाठ्यक्रम में आर्य समाज के सामाजिक, दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता और उपन्यास पर पड़ने वाले प्रभाव को बताना साथ ही विचारकों एवं समाज सुधारकों के जीवन तथा सामाजिक कार्यों से परिचय कराना |
CO 3.	राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना तथा मनोविश्लेषण के सिद्धान्तों का

	संबंध साहित्य से जोड़कर विद्यार्थियों में मानसिक मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण करना

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी नवजागरण की प्रमुख पृष्ठभूमि में राजनीतिक घटनाओं, सामाजिक स्थितियों, उस समय के तत्कालीन परिवेश से अवगत होंगे | उनमें देश और समाज के प्रति सजगता निर्माण होगी |
CLO 2.	विद्यार्थी समाज सुधारकों गाँधी, कालमार्क्स, विवेकानंद, रजा राममोहन रॉय एवं आम्बेडकर आदि की विचारधारा से सजग होंगे और उनमें मानवीय मूल्यों, धार्मिकता, सामाजिक न्याय तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संज्ञान होगा, जिससे सामाजिक कार्यों में उन्हें रूचि निर्माण होगी |
CLO 3	पाठ्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलनों में हिंदी पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं है, जैसे "उदार भारत", "हिन्दुस्तान", "प्रताप", "युगदृष्टि", "आज", "प्रजातंत्र", और "हिंदुस्तानी" इत्यादि पत्रिकाओं से सामाजिक जागरूकता और उनके कार्यों का विद्यार्थियों को संज्ञान होगा |

इकाई 1	**भारतीय नवजागरण आंदोलन (LECTURE 15)**
1.1	भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव (सामाजिक दृष्टि से होने वाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलाव के विशेष संदर्भ में)
1.2	ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसाइटी,सत्यशोधक समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ
1.3	आर्य समाज के सामाजिक, दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता और उपन्यास पर

	प्रभाव।
इकाई 2	**गांधीवादी चिंतन**
2.1	गांधीवादी चिंतन का हिंदी कविता पर प्रभाव
2.2	गांधीवादी चिंतन का हिंदी उपन्यास पर प्रभाव
इकाई 3	**मार्क्सवाद**
3.1	मार्क्सवाद : हिंदी कविता पर प्रभाव
3.2	मार्क्सवाद : हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव
इकाई 4	**राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का योगदान**
4.1	हरिश्चंद्र मैगजीन, हिंदुस्तान, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, स्वराज,
4.2	कर्मवीर, चांद और मतवाला के विशेष संदर्भ में

संदर्भ

- हिंदी साहित्य में प्रतिबंधित चिंतन प्रवाह - सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी
- दलित देवो भव - किशोर कुणाल
- मनोविश्लेषण - सिगमंड फ्राइड
- भारतीय पत्रकारिता कोश - विजय दत्त श्रीधर
- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - शिवकुमार मिश्र
- दलित साहित्य का समाजशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी
- आधुनिकता के आइने में दलित - अभय कुमार दुबे

TYBA (SEMESTER VI)

NAME OF THE COURSE	हिंदी साहित्य का इतिहास (PAPER IV))	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL601	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	आधुनिक काल के विविध युगों जैसे भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद आदि से परिचित करना और उन युगों के साहित्य, साहित्यकारों और युगीन प्रवृत्तियों का ज्ञान देना |
CO 2.	आधुनिक काल के प्रयोगवादी और प्रगतिवादी रचनाकारों नागार्जुन, माखनलाल चतुर्वेदी, केदारनाथ अग्रवाल , धूमिल, मुक्तिबोध आदि से परिचय करना और उनकी कविताओं में वर्णित सर्वहारा वर्ग की दयनीय स्थिति को दर्शाते हुए मानवीय मूल्यों का विकास करना |
CO 3.	हिंदी साहित्य की अनेक विधाओं उपन्यास, नाटक, निबंध आदि के उद्भव और विकास यात्रा की जानकारी देना साथ ही प्रमुख रचनाओं के बारे में बताना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	आधुनिक हिंदी साहित्य के पठन- पाठन से विद्यार्थी आधुनिक युग की परिस्थितियों से अवगत होंगे, उनमें देश प्रेम निर्माण होगा और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों की समझ निर्माण होगी ।
CLO 2.	आधुनिक युग की रचनाओं की विशेषताओं के माध्यम से कविता में नए प्रयोगों तथा सचेतन कहानी, अकहानी, जनवादी कहानी आदोलनों द्वारा साहित्य के बदलते स्वरूपों से परिचित होंगे ।
CLO 3	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध विधाओं जैसे उपन्यास, नाटक, कहानी, निबंध आदि विधाओ की सृजन प्रकिया की जानकारी होगी, जिससे उनमें सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक समस्यों की जानकारी होगी ।

इकाई 1	**आधुनिक हिंदी कविता का विकास**
1.1	आधुनिककाल - पृष्ठभूमि एवं प्रवृतियाँ
1.2	भारतेंदु युग ,दिवेदी युग , छायावाद युग
इकाई 2	**आधुनिक हिंदी कविता का विकास**
2.1	प्रगतिवाद , प्रयोगवाद
2.2	नई कविता, समकालीन कविता
इकाई 3	**आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास**
3.1	उपन्यास
3.2	कहानी
3.3	नाटक
इकाई 4	**आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास**
4.1	निबन्ध

4.2	आलोचना
4.3	आत्मकथा

संदर्भ :

- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ बच्चन सिंह
- हिंदी का गध साहित्य - डॉ रामचंद्र तिवारी
- छायावाद - डॉ नामवर सिंह
- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ नामवर सिंह
- भारतेंदु हरिश्चंद्र - डॉ रामविलास शर्मा
- भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा - डॉ रामविलास शर्मा
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - डॉ रामविलास शर्मा
- रस्साकशी - डॉ वीर भरत तलवार
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल - डॉ रामचंद्र तिवारी
- कहानी : नई .कहानी - डॉ नामवर सिंह

NAME OF THE COURSE	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य(PAPER V)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL602	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION

TOTAL MARKS PASSING MARKS	25 10	75 30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी की काव्य विधा गीत काव्य से तथा गीतकार गोपाल दास सक्सेना, (नीरज), गोपाल सिंह 'नेपाली', ज्ञानवती सक्सेना आदि से विद्यार्थियों को परिचित करना |
CO 2.	गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना एवं नए दृष्टिकोण का निर्माण करना |
CO 3.	हिंदी निबंध के माध्यम से समकालीन परिवेश और जीवन मूल्यों और पर्यावरण के विकास का परिचय करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा, मानवीय संवेदनायें जागृत होगी और नए वैचारिक दृष्टिकोण का निर्माण होगा |
CLO 2.	गीतों के माध्यम से कल्पना शक्ति निर्माण होगी और रचनात्मक लेखन में विकास होगा |
CLO 3	हिंदी निबंधों से विद्यार्थियों के जीवन में समाज की विसंगतियों से लड़ने की क्षमता निर्माण होगी | मूल्यांकन तथा तर्क शक्ति का विकास होगा |

इकाई 1	**गीतिकाव्य**
1.1	गीतिकाव्य की परिभाषा
1.2	गीतिकाव्य के तत्व
1.3	स्वातंत्र्योत्तर गीतिकाव्य का विकास
इकाई 2	**गीत पुंज की प्रमुख कविताएँ**
2.1	जीवन नहीं मरा करता है - गोपाल दास सक्सेना (नीरज)

2.2	सितारों ने लूटा - गोपाल सिंह 'नेपाली'
2.3	जीवन अनुभव की पुस्तक - ज्ञानवती सक्सेना
2.4	आती जाति साँसे दो सहेलियाँ है - कुँअर बैचेन
2.5	बेटी - सरिता शर्मा
2.6	आँसू गंगाजल हो बैठे -विष्णु सक्सेना
2.7	अपनी गंध नहीं बेचूंगा -बालकवि बैरागी
2.8	आकाश सारा -बुद्धिनाथ मिश्र
2.9	असंभव -रामनाथ अवस्थी
2.10	मेघयात्री - वीरेंद्र मिश्र
इकाई 3	**हिंदी निबंध**
3.1	निबंध की परिभाषा, तत्व और भेद
3.2	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी निबंध साहित्य का विकास
इकाई 4	**निबंध मञ्जूषा के प्रमुख निबंध**
4.1	उत्साह - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4.2	देवदारु - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.3	संस्कृति है क्या - रामधारी सिंह दिनकर
4.4	राष्ट्र का स्वरूप -वासुदेवशरण अग्रवाल

4.5	ठिठुरता हुआ गणतंत्र -हरिशंकर परसाई
4.6	मिले तो पछताए -इन्द्रनाथ मदान
4.7	बुद्धिजीवी -शंकर पुणताम्बेकर
4.8	पानी है अनमोल - श्रीराम परिहार

संदर्भ :

- गीत पुंज - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय
- निबंध मञ्जूषा -संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय
- हिंदी गदय का साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
- आधुनिक हिंदी गदय का साहित्य - हरदयाल
- हिंदी रेखाचित्र - हरवंशलाल शर्मा
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - ज्योतीश्वर मिश्र

NAME OF THE COURSE	सोशल मीडिया (PAPER VI)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL603	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25 10	75 30

PASSING MARKS		

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों जैसे फेसबुक, वट्सऐप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिग में हिंदी प्रयोग की समझ निर्माण करना ताकि वे हिंदी में कुशलता से कार्य करें |
CO 2.	सोशल मीडिया का उपयोग करके विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय और परिवर्तन के प्रोत्साहन और सामाजिक जागरण फ़ैलाने का कार्य करना साथ ही इससे सम्बन्धित कानून की जानकारी देना |
CO 3.	सोशल मीडिया में आनेवाली कठिनाइयों और चुनौतियों से परिचित करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थी अपने लेखन, संवाद और विचारों को साझा करने के कौशल को विकसित करेंगे।
CLO 2.	सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थी उसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के प्रति भी सचेत हो सकेंगे और उससे आने वाली विविध समस्याओं का समाधान कर पाएंगे |
CLO 3	विद्यार्थी जीवन में सोशल मीडिया का प्रयोग कर नया संचार और तकनीकों का विकास करेंगे उसके कानून से परिचित होंगे ताकि वे निजी जीवन में आनेवाली समस्याओं का निवारण कर सके |

इकाई 1	**सोशल मीडिया**
1.1	सोशल मीडिया का स्वरूप
1.2	सोशल मीडिया का प्रकार और विकास

इकाई 2	**सोशल मीडिया के प्रभाव**
2.1	राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, युवाओं पर, बच्चों पर, महिलाओं और वृद्धों पर प्रभाव
2.2	सोशल मीडिया की प्रचलित भाषा, समाज और संस्कृति के अंतर्प्रभाव
इकाई 3	**सोशल मीडिया और कानून**
3.1	सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश
3.2	सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं उपलब्धियाँ
इकाई 4	**सोशल मीडिया**
4.1	सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रसार और प्रयोग
4.2	सोशल मीडिया समस्याएँ,
4.3	सोशल मीडिया चुनौतियाँ और सीमाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- सोशल नेटवर्किंग नए समय का संवाद संपादक : संजय द्विवेदी
- नए जमाने की पत्रकारिता : सौरभ शुक्ला
- सोशल मीडिया : योगेश पटेल
- उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्षदेव
- नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता : कृष्ण कुमार रत्तू
- हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
- इन्टरनेट : शशि शुक्ला

NAME OF THE COURSE	साहित्य समीक्षा : छंद और अलंकार (PAPER VII)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL604	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	छात्रों को काव्य में रस का महत्व समझा कर उसके स्थायी भाव ,विभाव आदि अगों से परिचित कराना तथा नौं रसों की जानकारी देना |
CO 2.	शब्द - शक्तियों की पहचान कराना | अभिधा , लक्षणा तथा व्यंजना शब्द - शक्तियों को जानने के बाद छात्रों को काव्य में उसका महत्व उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करना |
CO 3.	काव्य में अलंकारों के प्रयोग एवं उपयोग को समझाना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	छात्र विभिन्न रसों की जानकारी प्राप्त कर काव्य में रस का महत्व समझेंगे काव्य भाव पक्ष का आनंद ले पायेगें
CLO 2.	कलाओं की जानकारी प्राप्त कर काव्य कला का महत्व समझेंगे |
CLO 3	अलंकारों के विभिन्न उदाहरणों से काव्य में अलंकार का महत्व समझ कर उसका उचित उपयोग सीखेगें |

इकाई 1	**शब्द शक्ति**
1.1	शब्द शक्ति : अर्थ और परिभाषा
1.2	शब्द शक्ति का स्वरूप
इकाई 2	**रस**
2.1	रस : अर्थ और परिभाषा
2.2	रस के विविध अंग
2.3	रस के भेद: सामान्य परिचय
इकाई 3	**गद्य के विविध रूप**
3.1	नाटक के तत्व (भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर)
3.2	उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
3.3	कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
3.4	निबंध : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
3.5	आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण और रेखाचित्र का तात्विक विवेचन
इकाई 4	**अलंकार**
4.1	अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण सहित सामान्य परिचय
4.2	शब्दालंकार : 1.अनुप्रास 2. यमक 3. श्लेष 4. पुनरुक्तिप्रकाश 5. विप्सा 6. वक्रोक्ति
4.3	अर्थालंकर : 1 उपमा 2 रूपक 3 अतिश्योक्ति 4 विभावना 5 उत्प्रेक्षा 6 प्रतीप 7 व्याजस्तुति 8

	भ्रांतिमान 9 दृष्टान्त

संदर्भ

- काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय
- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र
- सिद्धांत के अध्ययन - बाबू गुलाबराय
- काव्यशास्त्र - भागीरथी मिश्र
- काव्य प्रदीप - श्री राम बहोरी शुक्ल
- छंद प्रकाश - रघुनन्दन शास्त्री

NAME OF THE COURSE	भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण (PAPER VIII)	
CLASS	TYBA	
COURSE CODE	SBAHIL605	
NUMBER OF CREDITS	Credit-4	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	प्राचीन आर्यभाषा वैदिक एवं लौकिक संस्कृत से विद्यार्थियों का परिचय करना तथा मध्यकाल की भाषा पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से हिंदी का विकास किस प्रकार हुआ उससे परिचित करना |

CO 2.	देवनागरी लिपि से लिपि की विकास यात्रा और उसके गुण और दोष से अवगत करना।
CO 3.	हिंदी व्याकरण में समास, संधि, वाक्य रचना तथा अर्थ के प्रकार को समझाना, जिससे भाषा लेखन की शुद्धता का ज्ञान कराना ।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	भारतीय आर्यभाषाओं की दीर्घ परम्परा से हिंदी के उद्भव और विकास को समझ लेंगे।
CLO 2.	विद्यार्थियों को हिंदी के शब्द समूह और लिपियों का ज्ञान होगा।
CLO 3	हिंदी व्याकरण से शुद्ध हिंदी लेखन कर पाएँगे और नियम से अवगत होंगे।

इकाई 1	**प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ**
1.1	प्राचीन आर्यभाषा का परिचय : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
1.2	मध्यकालीन आर्य भाषा का परिचय : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
1.3	हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास
इकाई 2	**हिंदी की प्रमुख बोलियाँ -**
2.1	हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय ब्रज, अवधि, भोजपुरी, खड़ी बोली
2.2	हिंदी में खड़ी बोली के विविध रूप हिंदी, हिन्दुस्तानी , उर्दू , दक्खिनी
इकाई 3	**हिंदी का शब्द समूह और लिपि**
3.1	हिंदी का शब्द समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, संकर

3.2	देवनागरी लिपि विशेषताएँ और महत्त्व
इकाई 4	**हिंदी व्याकरण**
4.1	वाक्य रचना - वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से प्रकार
4.2	हिंदी वाक्य रचना में पदक्रम, अध्याहार सम्बन्धी सामान्य नियम
4.3	समास : अर्थ, स्वरुप और प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय
4.4	संधि : अर्थ, स्वरुप और प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

संदर्भ

- भाषा विज्ञान -भोलानाथ तिवारी
- हिंदी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- हिंदी ध्वनियों का विकास - भोलानाथ तिवारी
- हिंदी व्याकरण -कामता प्रसाद गुरु
- हिंदी भाषा की भूमिका - डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

NAME OF THE COURSE	आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि (PAPER XI)
CLASS	TYBA
COURSE CODE	SBAHIL606
NUMBER OF CREDITS	Credit-3
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	3
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	45

EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	पाठ्यक्रम में मनिविश्लेष्णवाद के अध्ययन से फ्रायड के सिद्धांतों को बताना ताकि विद्यार्थियों में विचारशीलता, संवेदनशीलता,समस्याओं के विचारात्मक और तात्विक समाधान तलाशने की क्षमता निर्माण करना
CO 2.	विद्यार्थियों को अस्मितामूलक विमर्श के माध्यम से दलितों एवं आदिवासियों की विविध समस्याओं, उनके समाजिक स्तरों, उनके संस्कृति के बारे में जानकारी देना |
CO 3.	राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना और उनमें समाज और राष्ट्र के प्रति संवेदना निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	मनोविश्लेष्णवाद एक दार्शनिक परंपरा है, जो मनुष्य के मानसिक और चिंतन प्रक्रियाओं का विश्लेषण करती है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी विचारशील, समझदार और सामाजिक स्तर पर जागरूक होंगे और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सक्षम होंगे |
CLO 2.	अस्मिता विमर्श के माध्यम से विद्यार्थियों में दलित समाज के प्रति संवेदना निर्माण होगी, समाज में उनके अस्तित्व को समझेंगे साथ ही आदिवासी समाज की संस्कृति और उनके योगदान से अवगत होंगे जिससे वे अपनी चेतना का विकास कर पाएँगे |
CLO 3	राष्ट्रीय आंदोलनों में हिंदी की विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं - हंस, कथादेश, आलोचना, धर्मयुग आदि की विस्तारपूर्वक उन्हें जानकारी होगी | समाज के निर्माण में उनकी क्या भूमिका रहीं है उससे वे अवगत होंगे |

इकाई 1	**मनोविश्लेषणवाद**
1.1	मनोविश्लेषणवाद: सामान्य परिचय
1.2	मनोविश्लेषणवाद: हिंदी कथा साहित्य पर उसका प्रभाव
इकाई 2	**दलित चेतना**
2.1	दलित चेतना: हिंदी कविता पर प्रभाव
2.2	दलित चेतना: कथा साहित्य पर प्रभाव
इकाई 3	**समकालीन कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श**
3.1	समकालीन कथा साहित्य परिचय
3.2	आदिवासी विमर्श परिचय
3.3	कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श
इकाई 4	**स्वातंत्र्योत्तर जन चेतना और हिंदी पत्रकारिता :**
4.1	धर्मयुग, आलोचना, हंस, कथादेश, इंडिया टुडे, आज
4.2	नवभारत टाइम्स अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ में

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ :</u>

- मनोविश्लेषण - सिगमंड फ्राइड
- हिंदी पत्रकारिता - डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

- समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी
- मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - शिवकुमार मिश्र
- दलित साहित्य का समाजशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी
- आदिवासी शोर्य और विद्रोह - सं. रमणिका गुप्ता
- आदिवासी साहित्य यात्रा खंड. - रमणिका गुप्ता
- बीसवीं शताब्दी की अंतिम द्विदशक की हिंदी कहानी में दलित जीवन - डॉ. गौतम सोनकांबले

ASSESSMENT DETAILS:(this will be same for all the theory papers)

Internal Assessment (25 marks)

Part 1: Project Work (20 Marks)

- At the beginning of the semester, students should be assigned project topics drawn from Unit 1 to Unit 4.
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 10 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

Part 2: Attendance – 05 marks

Semester End Examination – External Assessment (75 marks)

- The duration of the paper will be two hours.
- There shall be four compulsory questions

- Q1-3 shall correspond to the three units. Q1-3 shall contain an internal choice (attempt any 2 of 3). Q1-3 shall carry a maximum of 20 marks
- Q4 shall be a short note from Unit 1 to 3. Q4 shall carry a maximum of 15 marks (3x5 marks) (attempt any 3 of 6)

****